राष्ट्र निर्माण और मूल्यवर्धन के लिए युवाओं का मार्गदर्शन

युवा

गणतंत्र दिवस विशेषांक

सजीव संविधान से गतिमान भारतीय गणतंत्र के 73 साल की यात्रा

ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह
राज्यपाल, उत्तराखण्ड

भारत देश 26 जनवरी 2023 को इस बार अपना 74वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हर भारतवासी के लिए गर्व और सम्मान की बात है। गणतंत्र दिवस देश में जनता के लिए, जनता द्वारा, जनता के शासन की व्यवस्था सुनिश्चित करने वाले पर्व का उत्सव है।

भारत को ब्रिटिश हुकूमत से आज़ादी मिले 75 साल से ज्यादा हो चुके हैं। आज भारत दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था है और आने वाले 10 सालों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत भी बन जाएगा। भारत की तरक्की का आधार है हमारा संविधान। 141 बैठकों के बाद 2 साल 11 महीने और 17 दिन में तैयार एक प्रस्तावना, 395 अनुच्छेद व 8 अनुसूचियों के साथ स्वतंत्र भारत के संविधान का मूल प्रारूप तैयार हुआ। मूल संविधान से लेकर अब तक देश ने लंबी यात्रा तय की है और इस दौरान संविधान में समय-समय पर कुछ संशोधन भी किए गए। इन संशोधनों के कारण आज संविधान में 12 अनुसूचियों सहित 400 से अधिक अनुच्छेद हैं।

भारत संसदीय प्रणाली की सरकार वाला एक प्रभुतासंपन्न, लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। ये गणराज्य भारत के संविधान के मुताबिक चलता है और इसके शासन का आधार संविधान है। देश का शासन तो इससे चलता ही है, यहां के हर नागरिक को संविधान के जरिए ही वो अधिकार हासिल है, जिससे हर शख्स गरिमापूर्ण जीवन जी सके। भारत का संविधान एकीकृत और स्वतंत्र न्यायपालिका प्रणाली उपलब्ध कराता है। इन सबके साथ राष्ट्र की एकता और अखंडता को भी सुनिश्चित करता है।

हमारी स्वाधीनता के लिए अनेक वीरांगनाओं और सपूतों ने अपने प्राण न्योछावर किए हैं। स्वाधीनता दिवस तथा गणतन्त्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व न जाने कितनी कठोर यातनाओं एवं बलिदानों के पश्चात नसीब हुए हैं। गणतन्त्र दिवस के अवसर पर हम सब श्रद्धापूर्वक उन अमर बलिदानियों का जरूर स्मरण करें, जिन्होंने भारत को ब्रिटिश राज से मुक्ति दिलाने हेतु अपने जीवन का बलिदान दिया, ताकि हम एक लोकतांत्रिक राष्ट्र में रह सकें।

राष्ट्र निर्माण हमारे लिए निरंतर चलने वाला एक अभियान है। सजीव संविधान से गतिमान भारतीय गणतंत्र के साथ देश ने 76 वर्षों में प्रभावशाली प्रगति की है। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत आज बेहतर स्थिति में है। अब युवा पीढ़ी के स्वागत में अवसरों के नए द्वार खुल रहे हैं। हमारे युवाओं ने इन अवसरों का लाभ उठाते हुए सफलता के नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। इसी ऊर्जा, आत्म-विश्वास और उद्यमशीलता के साथ हमारा देश प्रगति पथ पर आगे बढ़ता रहेगा तथा अपनी क्षमताओं के अनुरूप, विश्व समुदाय में अपना अग्रणी स्थान अवश्य प्राप्त करेगा।

74 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्यपाल ने परेड ग्राउंड में किया ध्वजारोहण एवं राष्ट्रीय ध्वज को नमन करते हुए ली परेड की सलामी

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड पुलिस के 'विजन डॉक्यूमेंट'का किया अनावरण किया

74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने गुरुवार को परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में ध्वज फहराया तथा राष्ट्रीय ध्वज को नमन करते हुए परेड की सलामी ली। इस अवसर पर सीआरपीएफ, आई.टी.बी.पी., पुलिस, पीएसी, होमगार्ड, पीआरडी के जवानों सहित एन.सी.सी की टुकड़ियों ने परेड करते हुए राज्यपाल को सलामी दी। राज्य के लोक कलाकारों व विभिन्न स्कूली बच्चों ने भी विभिन्न सांस्कृतिक लोक नृत्य का मनोहारी प्रदर्शन किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड पुलिस के 'विजन डॉक्यूमेंट' का अनावरण किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस कर्मियों को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर राज्यपाल और मुख्यमंत्री द्वारा सड़क हादसे में घायल भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत की सहायता एवं राहत व बचाव कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हरियाणा रोडवेज के चालक श्री सुशील कुमार, परिचालक श्री परमजीत नयन व उत्तम शुगर मिल में कार्य करने वाले दो कर्मियों निशु और रजत को मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के अंतर्गत सूचना विभाग द्वारा 01-01 लाख रू0 की सम्मान राशि, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह(ब्रहमकमल की अनुकृति) प्रदान किया गया। यह सम्मान सुशील कुमार की पत्नी श्रीमती ऋतु और परमजीत के पिता श्री सुरेश कुमार ने ग्रहण किया। पुलिस विभाग द्वारा भी सभी को अलग से सम्मान राशि प्रदान की गई।

परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग, ग्राम्य विकास, पर्यटन विभाग, उद्यान विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग, उद्योग विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों, योजनाओं तथा नीतियों पर आधारित झाँकियों का भी प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर द्वितीय गढ़वाल राइफल्स, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, उत्तराखण्ड पुलिस, आई.आर.बी द्वितीय, उत्तराखण्ड विशेष पुलिस, उत्तराखण्ड विशेष पुलिस (महिला), होमगार्ड, पीआरडी, एनसीसी ब्वॉइज, एनसीसी गर्ल्स ने भव्य परेड में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक दलों द्वारा छोलिया, गढ़वाली, भांगडा, कौथिक, बसन्त, हारूल, नृत्य का प्रदर्शन किया गया। जिसका उपस्थित दर्शकों ने खूब आनंद लिया।

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने किया देहरादून के रेंजर्स ग्राउंड में आयोजित "गणतंत्र नमन" के विशेष कार्यक्रम "बीटिंग दी रिट्रीट" में प्रतिभाग

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देहरादून के रेंजर्स ग्राउंड में आयोजित "गणतंत्र नमन" के विशेष कार्यक्रम "बीटिंग दी रिट्रीट" में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान आईएमए, आईटीबीपी, पुलिस व स्काउट्स के बैंड ने अपने प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया। रिट्रीट के पश्चात सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर 6 दिनों तक चले "गणतंत्र नमन" कार्यक्रम में "एक भारत-श्रेष्ठ भारत" थीम पर फोटो प्रदर्शनी एवं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना "आत्मनिर्भर भारत" के अंतर्गत खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा विभिन्न स्टालों का प्रदर्शन भी किया गया। राज्यपाल ने इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजकों, बैंड के जवानों, सभी कलाकारों एवं महिला बैंड की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी बैंड ने बहुत ही मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

अमृतकाल न सिर्फ देश के विकास का काल बनेगा बल्कि दुनिया को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभायेगा- राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल ने किया ग्लोबल काउंटर टेरेरिज्म काउंसिल (GCTC) द्वारा दिल्ली में आयोजित "राष्ट्रीय युवा सम्मेलन-2023" में वर्चुअली प्रतिभाग

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने 12 जनवरी 2023 को ग्लोबल काउंटर टेरेरिज्म काउंसिल (GCTC) द्वारा दिल्ली में आयोजित "राष्ट्रीय युवा सम्मेलन-2023" में बतौर मुख्य अतिथि वर्चुअली प्रतिभाग किया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि आज के दिन हम महान व्यक्तित्व और युवाओं के पथ प्रदर्शक स्वामी विवेकानंद की जयंती को युवा दिवस के रूप में मना रहे हैं। स्वामी विवेकानंद के प्रेरक शब्दों "उठो, जागो और तब तक नहीं रूको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए" ने युवाओं को असीम प्रेरणा दी है। स्वामी विवेकानंद जी युवाओं के प्रेरणास्त्रोत ही नहीं रहे हैं, बल्कि अपने विचारों से विश्व में भारतीय संस्कृति को स्थापित करने में उनका अतुलनीय योगदान रहा है।

राज्यपाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं हमें बताती हैं कि आप अपने स्वयं के कौशल हैं, आप स्वयं अपनी प्रेरणा बनें। उन्होंने कहा कि हमारा देश संस्कृति, विरासत, परम्पराओं और लोकगाथाओं से समृद्ध है। इन्हें अपनी शक्ति के रूप में प्रयोग करते हुए दुनिया को यह बताएं कि हमारा अमृतकाल न सिर्फ देश के विकास का काल बनेगा बल्कि दुनिया को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभायेगा। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने भारत को विकसित राष्ट्र और विश्वगुरू बनाने में जिन पांच प्रणों की बात की उन पर हमें अमल करना होगा जिससे हम विश्वगुरू बनने के सफर को तय कर सकेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि भविष्य में हमारे सम्मुख कई चुनौतियां हैं। जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता सहित कई मुद्दों के समाधान आप सभी युवाओं को खोजने होंगे। विश्व में युवाओं की सर्वाधिक संख्या होने के कारण यह जिम्मेदारी आप सभी को उठानी होगी। युवाओं को स्वयं को तैयार करते हुए नए भारत के निर्माण में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को विवेकानंद जी के जीवन मूल्यों को अपने जीवन में उतारना होगा जो सम्पूर्ण समाज को एक नई दिशा देंगे। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए एन.सी.सी और जीसीटीसी की सराहना की।

सैनिक बाहुल्य राज्य उत्तराखंड में सैनिक तथा उनके आश्रितों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए - राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राज्यपाल ने राजभवन में पूर्व सैनिक, वीर नारियां, सैनिक आश्रित तथा दिव्यांग सैनिक के कल्याण हेतु उत्तराखंड सैनिक पुनर्वास संस्था के साथ की बैठक

देवभूमि उत्तराखंड वीर सपूतों की जननी रही है। पहाड़ के बेटों ने देश सेवा को हमेशा खुद से ऊपर माना है। चाहे कोई भी युद्ध हो उत्तराखंड के बहादुर सैनिकों ने अपना लोहा मनवाया है। देश की सबसे पुरानी रेजिमेंटों में से एक कुमाऊं रेजिमेंट उत्तराखंड से ही है। ये माना जाता है कि उत्तराखंड के तक़रीबन हर परिवार से एक व्यक्ति फ़ौज में ज़रूर होता है। फ़िलहाल सेना के 17.5% सैनिक उत्तराखंड से ही हैं। उत्तराखंड में कई ऐसे कई परिवार हैं जहां सेना में शामिल होने की परंपरा अभी भी पीढ़ी से पीढ़ी तक चली आ रही है। आज भी उत्तराखंड के युवा दादा-पिता की इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब उत्तराखंड आए तो उन्होंने यहां एक सैन्य धाम की परिकल्पना की थी जो अब मूर्त रूप ले रहा है। उपरोक्त वाक्य राजभवन में उत्तराखंड सैनिक पुनर्वास संस्था की बैठक के अवसर पर राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने कहे।

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने कहा कि सैनिक बाहुल्य राज्य उत्तराखंड में सैनिक तथा उनके आश्रितों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सैनिक पुनर्वास संस्था को राज्य मे एक प्रभावी विजन, मिशन और सोच के साथ कार्य करना होगा। संस्था को स्व-उत्तरदायित्व के अगले स्तर पर पहुंचना होगा। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने प्रमुख सचिव सैनिक कल्याण श्री एल फैनई तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि उत्तराखंड सैनिक पुनर्वास संस्था के लाभार्थियों जिनमें पूर्व सैनिक, वीर नारियां, सैनिक आश्रित तथा दिव्यांग सैनिक सम्मिलित है, के पर्याप्त आंकड़े डिजिटल रूप से उपलब्ध करवाए जाए।

राज्यपाल ने कहा कि सैनिक पुनर्वास संस्था की एआई इनेबल्ड एंड्राइड मोबाइल बेस्ड पोर्टल तथा वेबसाइट विकसित की जाए, ताकि पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों का संपर्क सरलता से संस्था से हो सके। उन्होंने कहा कि वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इसके साथ ही राज्यपाल ने शहीदों की विधवाओं के कल्याण तथा पुनर्वास पर विशेष बल देने की बात कही। राज्यपाल ने राज्य के समस्त दिव्यांग भूतपूर्व सैनिकों को राजभवन की ओर से प्रति सैनिक 5001 रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान किए जाने हेतु सचिव डॉ रंजीत कुमार सिन्हा को निर्देश दिए।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड सैनिक पुनर्वास संस्था का पूर्णतः आधुनिकीकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने संस्था को निर्देश दिए कि राज्य के प्रत्येक जनपद में सेना में भर्ती हेतु प्रशिक्षण केंद्र खोलने के प्रयास किए जाए। इसके लिए तात्कालिक रूप से विद्यालयों के खेल मैदानों का प्रयोग किया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि सैनिक पुनर्वास संस्था को प्रयास करने होंगे कि राज्य के बहुसंख्यक भूतपूर्व सैनिकों की राज्य में जैविक खेती, नेचुरल फार्मिंग, फॉरेस्टेशन, सीमांत क्षेत्रों में रिवर्स पलायन मे किस प्रकार गेमचेंजर की भूमिका हो सकती है।

उन्होंने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों की बेटियों की एनडीए, सैनिक सेवाओं तथा अन्य प्रतिष्ठित केंद्रीय व राज्य सरकार की सेवाओं में किस प्रकार भागीदारी बढ़े इसके लिए सैनिक पुनर्वास संस्था को भी प्रयास करने होंगे। राज्यपाल ने सैनिकों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार तथा सैनिक पुनर्वास संस्था द्वारा संचालित योजनाओं के समन्वय की बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आरंभ की जा रही हिम प्रहरी योजना में सैनिक पुनर्वास संस्था क्या योगदान दे सकती है इस पर विचार किया जाए। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) शीघ्र ही उत्तराखंड सैनिक पुनर्वास संस्था की कृषि भूमियों का निरीक्षण करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि संस्था की 1423 एकड़ भूमि का अधिकतम सदुपयोग किया जाना चाहिए तथा इन पर एरोमेटिक, मेडिसिनल हर्बस तथा ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। राज्यपाल ने इस पर एक ठोस कार्य योजना बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्री एल फैनई, राज्यपाल के सचिव डॉ रंजीत कुमार सिन्हा, अपर सचिव श्रीमती स्वाति एस भदौरिया, वित्त नियंत्रक राजभवन डॉ तृप्ति श्रीवास्तव तथा उत्तराखंड सैनिक पुनर्वास संस्था के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अपनी युवा शक्ति, महिला शक्ति और टेक्नोलॉजी के बल पर परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है भारत - राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राज्यपाल ने राजभवन में 'द फ्यूचर इज हेयर' की थीम पर आधारित 'टेडेक्स मसूरी' कार्यक्रम में किया प्रतिभाग किया

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने 19 जनवरी 2023 को राजभवन में आयोजित 'टेडेक्स मसूरी'कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। 'द फ्यूचर इज हेयर' की थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ वक्ताओं ने अपना संबोधन दिया। इस कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विद्यार्थियां में परीक्षा के दौरान तनाव को कम करने के लिए लिखित पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' का भी विमोचन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि इस कार्यक्रम की थीम युवाओं पर केंद्रित की गई है जो हमारे देश व आने वाले समय का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि बदलाव के इस दौर में युवाओं को अपनी नेतृत्व क्षमता को दिखाते हुए समाज और राष्ट्र के विकास के लिए आगे आना होगा। अमृतकाल के इस दौर में युवाओं को अपना रोल समझना होगा। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में सभी क्षेत्रों में असीमित संभावनाएं हैं हमें उन संभावनाओं को बेहतर अवसरों में परिवर्तित करना होगा।

राज्यपाल ने कहा कि भारत अपनी युवा शक्ति, महिला शक्ति और टेक्नोलॉजी के बल पर परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है, जो उसे विकसित राष्ट्र और विश्व गुरू बनाने में अहम साबित होगा।

उन्होंने कहा कि आने वाले 25 साल युवाओं और भारत दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। यह अमृत काल है जो हमें स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक ले जाएगी। हम भाग्यशाली हैं कि हमारे बहुत से युवा अपना और भारत का भविष्य खुद से बनाएंगे। इस प्रकार युवाओं का विकास ही भारत का विकास है। युवाओं की सीख ही भारत की सीख है। युवाओं की जीत ही भारत की जीत है।

भारत का महिला सशक्तिकरण से महिला नेतृत्व की ओर बढ़ना भी सकारात्मक परिवर्तन है।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में पूरे विश्व को ऊर्जा देने की ताकत है। हमारे पास हिमालय है, चारधाम जैसे अलौकिक तीर्थ स्थान हैं, गंगा और यमुना जैसी पावन नदियां यहाँ से निकलती हैं। यह राज्य आध्यात्मिक पर्यटन, योग-आयुर्वेद के माध्यम से पूरे विश्व के लिए केंद्र बिन्दु बन सकता है। उन्होंने युवाओं से इन क्षेत्रों में आगे आकर नेतृत्व कर उत्तराखण्ड को देश के अग्रणी राज्य बनाने में योगदान देने का आह्वान किया।

बीआरओ की जांबाज नारी शक्तियां भारत के सविंधान में स्त्री-पुरूष को दिए गए समानता का अधिकार का है उत्कृष्ट उदाहरण - राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

उत्तराखण्ड में तैनात सैन्य/अर्द्धसैन्य बलों के जवानों एवं अधिकारियों को उनके सराहनीय कार्यों के लिए मिला "राज्यपाल प्रशंसा पत्र-2023"

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजभवन ऑडिटोरियम में उत्तराखण्ड में तैनात सैन्य/अर्द्धसैन्य बलों के जवानों एवं अधिकारियों को उनके सराहनीय कार्यों के लिए "राज्यपाल प्रशंसा पत्र-2023" प्रदान किये। "राज्यपाल प्रशंसा पत्र-2023" से सम्मानित होने वाले जवानों एवं अधिकारियों में एनएचओ (नेशनल हाइड्रोग्राफीक ऑफिस, देहरादून) के कमांडर के० विक्टर पॉल, प्रधान सिविल जल सर्वेक्षक अधिकारी आर०जे० कुशवाहा और नाविक अधिकारी संजीत कुमार शामिल हैं। आईटीबीपी सीमाद्वार, देहरादून से 8वीं बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट डॉ० विशाल चौधरी, इंस्पेक्टर युद्धवीर सिंह और कांस्टेबल कृष्णा नेगी को प्रशंसा पत्र दिए गए। बीआरओ से वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी मेजर संगीता और पानियर दीपा पाठक को प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया। इसके अलावा नेशनल हाइड्रोग्राफीक ऑफिस, देहरादून को "राज्यपाल प्रशस्ति पत्र-2023" प्रदान किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में तैनात सैन्य/अर्द्धसैन्य बलों के जवानों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। जवानों एवं अधिकारियों द्वारा विपरित परिस्थितियों के दौरान भी देश एवं राज्य के लिए अपना समर्पण भाव दिखाया है।

राज्यपाल ने कहा कि बीआरओ की जांबाज नारी शक्तियां भारत के सविंधान में स्त्री-पुरूष को दिए गए समानता का अधिकार की उत्कृष्ट उदाहरण है। वे कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और दुर्गम क्षेत्रों में अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन बखूबी कर रही हैं। वहीं आईटीबीपी के जवान एवं अधिकारी सीमांत क्षेत्रों में देश की सीमाओं की रक्षा करने के साथ-साथ प्राकृतिक आपदा में भी लोगों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विषम भौगोलिक परिस्थितियों में भी ये जवान अपने कार्यों को पूरी सजगता के साथ कर रहे हैं।

राज्यपाल ने ओडिशा में 'कलिंगा ट्रॉफी' जीतने पर उत्तराखण्ड व्हीलचेयर क्रिकेट टीम को बधाई देते हुए खिलाड़ियों को किया सम्मानित

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह से सोमवार को उत्तराखण्ड व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने मुलाकात की। राज्यपाल ने उत्तराखण्ड व्हीलचेयर क्रिकेट टीम द्वारा ओडिशा में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता की 'कलिंगा ट्रॉफी' जीतने पर बधाई देते हुए खिलाड़ियों को भविष्य के लिये शुभकामनायें दी। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड व्हीलचेयर क्रिकेट टीम ने ओडिशा में आयोजित चार राज्यों की क्रिकेट प्रतियोगिता जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया है। दिव्यांग क्रिकेट टीम की सफलता से राज्य का ही मान नहीं बढ़ा बल्कि इससे अन्य दिव्यांगजनों को प्रेरणा भी मिलेगी। उन्होंने कहा की आप सभी ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से जो लक्ष्य हासिल किया है वह अन्य लोगों के लिए भी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आप सभी खिलाड़ी एक हीरो और आइकॉन हैं।

राज्यपाल ने दिव्यांगजनों को खेलों की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए यूनाइटेड दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने एसोसिएशन द्वारा उत्तराखण्ड में व्हीलचेयर क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन के लिए सफलता की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने एसोसिएशन समस्याओं और चुनौतियों के बारे में जानकारी ली और कहा की इसके लिए दीर्घकालिक समाधान तलाशने होंगे।

बच्चे हमेशा सवालों के जरिये अपने शंकाओं का समाधान करें - राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राज्यपाल ने किया राजीव गांधी नवोदय विद्यालय, ननूरखेड़ा रायपुर में "परीक्षा पे चर्चा 2023" कार्यक्रम में प्रतिभाग

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने शुक्रवार को राजीव गांधी नवोदय विद्यालय, ननूरखेड़ा रायपुर में "परीक्षा पे चर्चा 2023" कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन करने के साथ ही उन्हें, मानसिक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किये गए इस कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि यह कार्यक्रम परीक्षाओं को एक नई दृष्टि देखने का नजरिया विकसित करता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावक और शिक्षक परीक्षाओं के तनावमुक्त वातावरण से मुक्ति पा सकेंगे।

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने शुक्रवार को राजीव गांधी नवोदय विद्यालय, ननूरखेड़ा रायपुर में "परीक्षा पे चर्चा 2023" कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन करने के साथ ही उन्हें, मानसिक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किये गए इस कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि यह कार्यक्रम परीक्षाओं को एक नई दृष्टि देखने का नजरिया विकसित करता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावक और शिक्षक परीक्षाओं के तनावमुक्त वातावरण से मुक्ति पा सकेंगे।

उत्तराखण्ड की जैव विविधता हमारे लिए वरदान, इसका सही इस्तेमाल किया जाना बेहद जरूरी है - राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राजभवन में आयोजित आईएफएस एसोसिएशन उत्तराखण्ड के वार्षिक अधिवेशन में राज्यपाल ने किया प्रतिभाग

राजभवन ऑडिटोरियम में आयोजित आईएफएस एसोसिएशन उत्तराखण्ड के वार्षिक अधिवेशन के समापन सत्र में राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने कहा कि उत्तराखण्ड में 70% से अधिक वन क्षेत्र हैं। इस अमूल्य वन संपदा को हमें प्रदेश की समृद्धि के लिए इस्तेमाल करना होगा। उत्तराखण्ड की जैव विविधता हमारे लिए वरदान के रूप में है इसका सही इस्तेमाल किया जाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि वनों के माध्यम से लोगों की आजीविका को जोड़ने पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए आमजन के सहयोग के साथ-साथ इसकी रोकथाम किये जाने के साथ नवीन तकनीकों का उपयोग किया जाए। उन्होंने मानव वन्यजीव संघर्ष को कम करने, जंगली जानवरों द्वारा फसलों की क्षति को कम किये जाने सहित अन्य चुनौतियों के लिए भी स्थायी समाधान खोजने को कहा।

देश एवं प्रदेश के विकास के लिए ईमानदार, कर्मठ, कुशल जनप्रतिनिधि चुने जाने जरूरी हैं - राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

13वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राजभवन ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

राजभवन ऑडिटोरियम में 13 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने प्रथम बार मतदाता बनने वाले युवाओं को मतदाता बैज एवं फोटो युक्त पहचान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने मतदाता जागरूकता हेतु राज्य के दो निर्वाचन आइकॉन पद्मश्री कल्याण सिंह रावत 'मैती' और पद्मश्री प्रीतम भरतवाण को सम्मानित किया। राज्यपाल ने विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 में निर्वाचन प्रबंधन, स्वीप, एक्सेसिबल इलेक्शन आदि क्षेत्रों में एवं मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023 के दौरान सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी सम्मानित किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा तैयार किये गये कैलेंडर का विमोचन किया। राज्यपाल ने उपस्थित सभी लोगों को मतदाता शपथ दिलाई। इस अवसर पर राज्यपाल के सम्मुख निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार किये गए मतदाता गीत 'मैं भारत हूँ' का भी अनावरण किया गया।

मतदाता दिवस के अवसर पर राज्यपाल ने प्रथम बार मतदाता बन रहे युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने मताधिकार के प्रयोग कर देश एवं प्रदेश के विकास में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि हमारे जीवंत लोकतंत्र के संचालन में चुनाव प्रक्रिया की प्रमुख भूमिका है। चुनाव प्रक्रिया की सफलता का आधार हमारे जागरूक मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि जागरूक मतदाता और उनके निर्वाचन में शत-प्रतिशत प्रतिभाग करना बहुत जरूरी है। यह हमारा कर्तव्य ही नहीं जिम्मेदारी भी है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सभी निर्वाचनों में बढ़-चढ़कर मतदान में प्रतिभाग करें।

राज्यपाल ने कहा कि देश एवं प्रदेश के विकास के लिए ईमानदार, कर्मठ, कुशल जनप्रतिनिधि चुने जाने जरूरी हैं। इस कार्य की सफलता के लिए मजबूत चुनाव प्रणाली और जागरूक मतदाता का होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए हम सभी को शत-प्रतिशत मतदान में भागीदारी सहभागिता करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया की पूरी जानकारी होना आवश्यक है। इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि नये मतदाताओं को पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित किये जाने के साथ-साथ उन्हें मताधिकार का महत्व बताया जाना जरूरी है।

मतदाता दिवस के अवसर पर सचिव निर्वाचन दिलीप जावलकर ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा से उपस्थित लोगों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा इस वर्ष की थीम 'Nothing like Voting, I vote for Sure' 'वोट जैसा कुछ नहीं, मैं वोट जरूर करूंगा' है। सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रत्येक जनपद एवं ब्लॉक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं।

इस अवसर पर राज्य निर्वाचन आयुक्त चन्द्रशेखर भट्ट, मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी.रविशंकर, अपर सचिव श्री राज्यपाल स्वाति एस.भदौरिया, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रताप सिंह शाह, राज्य नोडल अधिकारी स्वीप मो०असलम सहित निर्वाचन विभाग से जुड़े अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

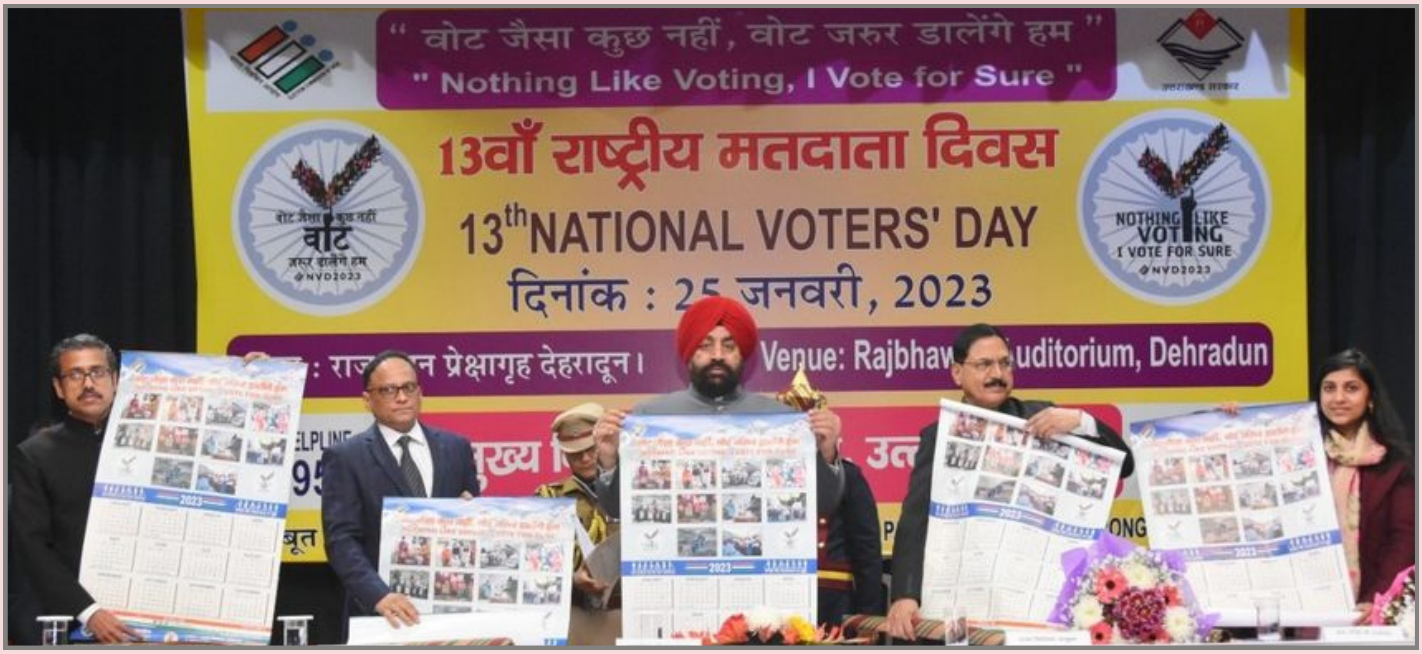

नागरिकों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, उनकी सुरक्षा के दृष्टिगत सभी इंतजाम किये जाने चाहिए - राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह

राज्यपाल ने जोशीमठ में भू-धंसाव की स्थिति के संबंध में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों से वार्ता की

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह ने चमोली जनपद के जोशीमठ में भू-धंसाव की स्थिति के संबंध में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। इस वीडियो कांफ्रेंसिंग में आयुक्त गढ़वाल मण्डल श्री सुशील कुमार, जिलाधिकारी चमोली श्री हिमांशु खुराना और एसपी चमोली प्रमेन्द्र डोभाल मौजूद रहे।

राज्यपाल ने कहा कि विपदा की इस घड़ी में पूरा देश व प्रदेश प्रभावित लोगों के साथ है। उन्होंने कहा कि इस चुनौती के समय हमें प्रत्येक प्रभावित की समस्या को सुनना है, और उसे हरसंभव मदद करनी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रभावितों की मूलभूत जरूरतों पर विशेष ध्यान दिया जाय। राज्यपाल ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, उनकी सुरक्षा के दृष्टिगत सभी इंतजाम किये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रभावितों का हौसला बढ़ाने के साथ-साथ भावनात्मक रूप से भी उनके साथ खड़ा रहना बेहद जरूरी है।

राज्यपाल ने कहा कि हिमालयी क्षेत्र के दृष्टिगत यह आपदा एक चुनौती है और इसका समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान राज्यपाल ने भू-धंसाव की समस्या के समाधान हेतु उठाए गए तात्कालिक एवं दीर्घकालिक कदमों की जानकारी भी ली। इस अवसर पर सचिव श्री राज्यपाल डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा जो सचिव आपदा प्रबंधन भी हैं, ने शासन स्तर से किये जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी राज्यपाल को उपलब्ध करायी।

वीडियो कांफ्रेंसिंग में अधिकारियों ने जोशीमठ में भू-धंसाव के कारण उत्पन्न हुई स्थिति के संबंध में राज्यपाल को विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र के लोगों के रहने, खाने और उनके अस्थायी विस्थापन के संबंध में जानकारी दी। इसके अलावा प्रभावित परिवारों को शासन एवं प्रशासन द्वारा दी जा रही सहायता और अन्य जानकारियां भी दी। इस दौरान अधिकारियों ने भू-धंसाव क्षेत्र में संचालित राहत एवं बचाव कार्यों, प्रभावितों की सुरक्षा व पुनर्वास हेतु उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी राज्यपाल को उपलब्ध करायी।

राष्ट्रीय फलक पर उत्कृष्ट उत्तराखंड

गणतंत्र दिवस 2023:
कर्तव्य पथ पर उत्तराखंड की झांकी ने जीता पहला पुरस्कार

दिल्ली में 'कर्तव्य पथ' पर 74वें गणतंत्र दिवस परेड के अवसर पर अपने राज्य की कला और संस्कृति का प्रदर्शन करने वाली मानसखंड थीम पर आधारित उत्तराखंड की झांकी ने प्रथम पुरस्कार जीता है। झांकी के पहले स्थान पर आने से उत्तराखंड का नाम इतिहास में दर्ज हो गया।

त्तराखंड की झांकी में उत्तराखंड का प्रसिद्ध कॉर्बेट नेशनल पार्क, बारहसिंगा, उत्तराखंड का राज्य पशु कस्तूरी मृग, गोरल, देश का राष्ट्रीय पक्षी मोर जो उधमसिंह नगर में पाया जाता है, उत्तराखंड के प्रसिद्ध पक्षी घुघुती, तीतर, चकोर, मोनाल आदि व उत्तराखंड की प्रसिद्ध ऐपण कला को प्रदर्शित किया गया था। झांकी के आगे और पीछे उत्तराखंड का नाम भी ऐपण कला से लिखा गया था। प्रसिद्ध पौराणिक जागेश्वर धाम का मंदिर घनघोर देवदार के वृक्षों के बीच में है। इसलिए झांकी में मंदिर के आगे और पीछे घनघोर देवदार के वृक्षो का सीन तैयार किया गया था।

प्लास्टिक उन्मूलन के लिए डिजिटल डिपॉजिट रिफंड सिस्टम (डीआरएस) में जनपद रुद्रप्रयाग को किया गया राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

श्री केदारनाथ धाम सहित तृतीय केदार यात्रा मार्ग पर प्लास्टिक उन्मूलन के लिए डिजिटल डिपॉजिट रिफंड सिस्टम (डीआरएस) में जनपद रुद्रप्रयाग को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं उपजिलाधिकारी ऊखीमठ जितेन्द्र वर्मा को यह पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के कुशल नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा यात्रा मार्ग पर आने वाले लाखों श्रद्धालुओं द्वारा उपयोग की जाने वाली पानी की बोतल, कोल्ड ड्रिंक समेत अन्य प्लास्टिक का सामान इस्तेमाल करने के बाद उसका उचित निस्तारण करने के लिए रिसाइकिल संस्था के साथ मिलकर पहले पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर केदारनाथ यात्रा मार्ग में एवं दूसरे चरण में चोपता, तुंगनाथ और देवरिया ताल मार्ग पर क्यू आर कोड व्यवस्था को लागू किया गया। जिला प्रशासन के अथक प्रयास से प्लास्टिक उन्मूलन के लिए क्यू आर कोड प्रणाली शुरू कर प्लास्टिक बोतलों की टैगिंग की गई एवं हर क्यू आर कोड लगी बोतल पर बिक्री के समय 10 रुपए अतिरिक्त वसूले जाते हैं, वहीं प्रत्येक बोतल वापस जमा करने वाले को दस रुपए दिए जाते हैं।

रिसायकल संस्था के साथ मिलकर पहले पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर केदारनाथ यात्रा मार्ग एवं दूसरे चरण में चोपता-तुंगनाथ और देवरियाताल मार्ग पर क्यूआर कोड व्यवस्था को लागू किया गया। पहले पानी की बोतलों पर क्यूआर लगाने से प्रोजेक्ट शुरु हुआ था जबकि बाद में कोल्ड ड्रिंक की बोतलों पर भी इसे लागू किया गया। आगामी यात्राओं में योजना को बड़े पैमाने पर लागू कर सभी प्रकार के प्लास्टिक कचरे को निस्तारित करने के लिए इस्तेमाल करने पर विचार किया जा रहा है।

राष्ट्रीय फलक पर उत्कृष्ट उत्तराखंड

देश के सर्वोत्तम तीन थानों में आया जनपद चम्पावत के बनबसा थाने का नाम

उत्तराखंड के जनपद चम्पावत के बनबसा थाने ने देश के सर्वश्रेष्ठ तीन पुलिस स्टेशनों में जगह बनाई है। उत्तराखंड पुलिस के लिए यह इसलिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि यह चयन देश के करीब 16 हजार पुलिस स्टेशनों में से हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्री ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर बनबसा पुलिस स्टेशन को सम्मानित किया।

पुलिस थानों की वर्ष 2022 की वार्षिक रैंकिंग में बनबसा पुलिस स्टेशन को देश के सर्वोत्तम तीन थानों में स्थान मिलना प्रदेश में सुशासन एवं सुदृढ़ कानून व्यवस्था की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे सभी पुलिस कर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा का प्रतिफल है। देश के टॉप थानों की श्रेणी में स्थान पाने के लिए कुछ मानक तय किए जाते हैं। पुलिस स्टेशनों को 165 विभिन्न मापदंडों जैसे अपराध नियंत्रण, अपराध दर, जांच व मामलों के निपटान, बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक सेवा के वितरण के आधार पर आंका जाता है। कुल बिंदुओं में से लगभग 20 प्रतिशत नागरिकों से पुलिस स्टेशन के बारे में फीडबैक भी लिया जाता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर बनबसा पुलिस स्टेशन को सम्मानित किया।

उत्कृष्ट कार्य करने हेतु उत्तराखंड के सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी को मिला स्पेशल अवार्ड

राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी 2023 के उपलक्ष पर नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा उत्तराखण्ड विधानसभा निर्वाचन के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री मस्तू दास को स्पेशल अवार्ड प्रदान किया गया।

उत्तराखण्ड राज्य की विषम भौगोलिक परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए मतदान पार्टियों द्वारा अपने गन्तव्य स्थान तक ईवीएम के सुरक्षित ट्रांसपोर्टेशन विशेषकर वीवीपैट के लिए ईवीएम बैग बनवाने का कार्य किया गया। इसके प्रयोग से मतदान कर्मियों को ईवीएम मशीनों को बैगपैक से कैरी करने में मशीन एवं कार्मिक दोनों को ही सुरक्षात्मक सुविधा प्राप्त हुई। आयोग द्वारा उत्तराखण्ड के इस अभिनव प्रयोग को सभी राज्यों में परिचालित कर इसे पैन इंडिया स्तर पर प्रयोग किए जाने की मान्यता प्रदान की गयी। इसी प्रकार ईवीएम के रख-रखाव एवं सकारात्मक प्रचार-प्रसार के लिए भी श्री दास द्वारा समय समय पर विभिन्न कार्य किए गए।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वर्ष 2022 में विभिन्न निर्वाचनों के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों से उन्हें विभिन्न श्रेणियों, जनरल अवार्ड, स्पेशल अवार्ड, नेशनल अवार्ड फॉर गवर्नमेंट डिपार्टमेंट-एजेंसी, पीएसयू एवं वेस्ट स्टेट अवार्ड तथा नेशनल मीडिया अवार्ड प्रदान किए जाने हेतु सभी राज्यों से प्रस्ताव मांगें गए थे। जिसके क्रम में उत्तराखंड राज्य से सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री मस्तू दास को स्पेशल अवार्ड के लिए चयनित किया गया।

राज्यपाल ने की नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से शिष्टाचार भेंट

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह द्वारा नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से शिष्टाचार भेंट कर प्रदेश के समसामयिक विषयों पर चर्चा की गई।

राज्यपाल ने की नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट

राज्यपाल ले०ज०(से०नि०) गुरमीत सिंह द्वारा नई दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उत्तराखण्ड प्रदेश के कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

युवा
मासिक संवादपत्र
जनवरी 2023

संपादन : के०के० पांडेय, पारितोष बंगवाल
मार्गदर्शन : ले०जनरल (से०नि०) श्री गुरमीत सिंह
महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड
email: info@ltgengurmit.co.in